भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी उधमसिंह नगर के सदस्यों से मिले राज्यपाल महोदय कहा – हेल्थ सिक्योरिटी आज की सबसे बड़ी जरूरत

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने जनपद उधमसिंह नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न सामाजिक समूह से मिले। इस दौरान उन्होंने भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी उधमसिंह नगर के सदस्यों से मुलाकात की और कहा कि हेल्थ सिक्योरिटी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। कोविड-19 की चुनौती से लड़ने में रेडक्रॉस की बड़ी भूमिका रही है। उधमसिंह नगर जिले में रेडक्रॉस के वॉलंटियर्स की संख्या कम से कम दस हजार होनी चाहिए। स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को रेड क्रॉस से जोड़ा जाना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज स्वास्थ्य सुरक्षा ज्वलंत मुद्दा है। कोरोना के दिन प्रतिदिन नए वेरिएंट आ रहे हैं। यह चिंताजनक है। हमें बेहद सतर्क एवं सावधान रहना होगा। लोगों को शिक्षित एवं जागरूक करना होगा। आत्मानुशासन बहुत आवश्यक है। कोविड के दौर में रेडक्रॉस ने सराहनीय कार्य किया। राज्यपाल ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को रेडक्रॉस से जोड़ना आवश्यक है। लगभग बीस लाख की जनसंख्या वाले उधम सिंह नगर जिले में कम से कम दस हजार वॉलंटियर्स होने आवश्यक हैं। जिले में जूनियर रेड क्रॉस तथा महिला रेडक्रॉस यूनिट भी स्थापित की जानी चाहिए। राजभवन राज्य में रेडक्रॉस को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग, समन्वय तथा प्रयास करेगा। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों तथा युवाओं के साथ ही अन्य समाज सेवकों, गैर सरकारी संगठनों को भी रेडक्रॉस से जोड़ा जाना चाहिए। इसके लिए गांव-गांव में जाकर प्रचार किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी उधमसिंह नगर से श्री प्रवीण अरोड़ा, श्री राजीव चौहान, डॉ. रजनीश, श्री संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल महोदय से उधमसिंह नगर जिले के भूतपूर्व सैनिक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से तराई भवन अतिथि गृह, पंतनगर में उधम सिंह नगर जिले के भूतपूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। भूतपूर्व सैनिकों ने राज्यपाल महोदय को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। भूतपूर्व सैनिकों ने राज्यपाल महोदय से रुद्रपुर में सीएसडी कैंटीन की स्थापना, राज्यभर में स्कूल-कॉलेजों के नाम शहीदों के नाम पर रखने, बागेश्वर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महेंद्र सिंह के नाम पर स्वीकृत 12 किलोमीटर सड़क के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करवाने, सैनिक फार्म पंतनगर की भूमि पर सैनिकों के लिए एनेक्सी के निर्माण, राज्य में अधिक से अधिक राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल तथा मिलिट्री स्कूल खुलवाने, उधमसिंह नगर में केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना आदि प्रस्तावों पर चर्चा की। बैठक में राज्यपाल महोदय ने भूतपूर्व सैनिकों को हर संभव सहायता तथा सहयोग का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों को नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि भूतपूर्व सैनिक किसी भी समस्या या चुनौती के समय सीधे राजभवन में संपर्क कर सकते हैं। राजभवन के द्वार उनके लिए सदैव खुले हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वीर भूमि उत्तराखण्ड सैन्य बाहुल्य राज्य है। लेकिन अब हमें बेटों के साथ ही अधिक से अधिक बेटियों को भी सैन्य सेवा के लिए प्रोत्साहित करना होगा। मेरा प्रयास रहेगा कि राज्य में बेटियों को सीडीएस, एनडीए, आईएएस तथा अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं की परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जाए। राज्यपाल ने कहा कि हमारे पूर्व सैनिक देश की एक बड़ी पूंजी एवं संपत्ति हैं। पूर्व सैनिकों की क्षमता का उपयोग राष्ट्र के विकास तथा समाज सेवा में किया जाना चाहिए। उत्तराखंड जैसे आपदा संवेदनशील राज्य में भूतपूर्व सैनिक राहत एवं बचाव कार्य में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। मेरा अनुरोध है कि भूतपूर्व सैनिक अपना अधिक से अधिक समय सामाजिक कार्यों, लोगों की मदद तथा युवा पीढ़ी को सही मार्गदर्शन देने में लगायें। सैनिक नेचुरल लीडर होते हैं। उन्हें तो मात्र अवसर मिलना चाहिए, वे समस्या का समाधान स्वयं ढूंढ़ लेते हैं।

राज्यपाल महोदय ने पंतनगर में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने तराई भवन अतिथि गृह, पंतनगर में आयोजित उधम सिंह नगर जिले की महिला स्वयं सहायता समूहो द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल ने महिला स्वयं सहायता समूहो द्वारा निर्मित उत्पादों और हस्तशिल्पों की सराहना की। उन्होंने उपस्थित सभी महिलाओं से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उन्होंने राज्य के पर्वतीय जिलों के भ्रमण के दौरान उत्तराखण्ड की महिलाओं द्वारा स्वयं सहायता समूहों तथा माइक्रोफाइनेंस के द्वारा किए जा रहे क्रांतिकारी कार्यों को देखा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वह पर्वतीय महिलाओं के परिश्रम, लगन, साहस और जुझारूपन से अत्यंत प्रभावित हैं। उन्हें उत्तराखण्ड की महिलाओं पर गर्व है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड निर्माण में भी महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भी राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में महिलाएं आर्थिक एवं सामाजिक संरचना की रीढ़ हैं। राज्य में स्थानीय उत्पादों पर आधारित महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन से महिला सशक्तिकरण एवं स्थानीय उत्पादों के संरक्षण का दोहरा लक्ष्य प्राप्त होगा। हमें इस दिशा में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का और अधिक विकास करना होगा। स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योगों के प्रोत्साहन से आर्थिक स्वावलंबन स्वरोजगार तथा रिवर्स माइग्रेशन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री जी के लोकल फॉर वोकल मंत्र की सफलता के लिए भी राज्य के स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक फसलों, अनाज तथा हस्तशिल्पों का संरक्षण आवश्यक है। स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाजार उपलब्ध कराए जाने आवश्यक हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्थानीय उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग तथा मार्केटिंग बहुत आवश्यक है। स्थानीय उत्पादों की पैकेजिंग तथा मार्केटिंग विश्वस्तरीय होनी चाहिए। इनका प्रचार-प्रसार डिजिटल प्लेटफार्म पर भी किया जाना चाहिए। स्थानीय उत्पादकों का सीधा डिमांड चैनल से संपर्क होना आवश्यक है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में

माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा – भारत को समृद्ध बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के छठे दीक्षांत समारोह के अवसर पर चौवालीस मेधावी छात्र छात्राओं को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

राज्यपाल महोदय ने दीक्षांत सम्बोधन में कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों के लिए स्वायत्तता तथा जवाबदेही दोनों ही जरूरी है। हमें उत्तरदायित्व से भी आगे बढ़कर स्व- उत्तरदायित्व की ओर जाना है। आत्मानुशासन बहुत जरूरी है। हमें अपने सिस्टम को इतना मजबूत बनाना है कि उसमें लीकेज के लिए कोई जगह ना बचे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट मंत्री डा धन सिंह रावत भी उपस्थित थे ।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा कहा कि विद्यार्थी अपने सोच विचार का स्तर बढ़ाएं। स्वयं पर भरोसा रखें। टीम वर्क में विश्वास रखें। सभी युवाओं से अनुरोध है कि भारतीय संविधान में बताए हुए मौलिक कर्तव्य को पढ़ें, समझें और उनका पालन करें। विद्यार्थियों का अर्जित ज्ञान तभी सार्थक होगा, जब इसका लाभ समाज को मिलेगा। आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत, डिजिटल भारत, समृद्ध भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों को सफल बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की व्यवस्था एक लचीली, सरल और सुगम व्यवस्था है। देश की उच्च शिक्षा में कुल

पंजीकरण में दस प्रतिशत से अधिक हिस्सा डिस्टेंस एजुकेशन का है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि कोरोना के दौर ने हमें बहुत कुछ सिखा दिया है। ऑनलाइन और डिजिटल एजुकेशन का प्रचलन बढ़ गया है। आज यह हमारी जरूरत बन गई है। इससे मुक्त विश्वविद्यालय की अवधारणा को और भी अधिक मजबूती मिली है। शिक्षा तंत्र को डिजिटल और वर्चुअल मोड पर और भी अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य करना होगा। उत्तराखण्ड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए इसे राज्य के हर कोने तक पहुंचाना होगा। राज्यपाल ने कहा कि पर्वतीय राज्य उत्तराखण्ड के दूरदराज इलाकों में डिस्टेंस एजुकेशन के माध्यम से उच्च शिक्षा पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। उत्तराखण्ड के पर्वतीय तथा सीमांत क्षेत्रों के लिए डिस्टेंस एजुकेशन एक वरदान है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि डिस्टेंस एजुकेशन का पाठ्यक्रम नवीनतम, अद्यतन, प्रभावी तथा प्रासंगिक होना जरूरी है। पाठ्य सामग्री में उच्च स्तरीय ज्ञान व गुणवत्तापूर्ण सामग्री बेहद सरल भाषा में होनी चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने श्री सच्चिदानंद भारती तथा विश्व प्रसिद्ध फोटोग्राफर श्री अनूप शाह जी को मानद उपाधि से सम्मानित किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि श्री सच्चिदानंद भारती जी राज्य में रिवर्स माइग्रेशन, वन तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। रिवर्स माइग्रेशन उत्तराखण्ड के लिए ज्वलंत मुद्दा है। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध फोटोग्राफर श्री अनूप शाह ने अपनी उत्कृष्ट फोटोग्राफी के माध्यम से उत्तराखंड की संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक सुंदरता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उन्हें सम्मानित करके मैं स्वयं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति, शिक्षक गण तथा छात्र- छात्राएं उपस्थित थे।

राज्यपाल महोदय ने राजभवन के कार्मिकों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन के कार्मिकों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की राज्यपाल महोदय ने कहा कि राजभवन में भ्रष्टाचार रहित कार्यशैली, आत्म-अनुशासन, ईमानदारी, निष्ठा और मानवीय संवेदनशीलता प्रत्येक शासकीय कार्मिक की लक्ष्मण रेखा होनी चाहिए। राजभवन की गरिमा को बनाये रखने के लिए अधिकारी एवं कार्मिक राजभवन के सम्मान एवं प्रतिष्ठा के अनुसार अपना व्यवहार बनाएं एवं कार्यों का संपादन करें।

कार्मिकों एवं उनके परिजनों की व्यक्तिगत एवं कार्यालयी समस्याओं के निस्तारण के लिए भी राज्यपाल महोदय ने कार्मिकों एवं उनकी परिजनों से बातचीत की और कहा कि आपकी समस्याएं मेरी समस्याएं हैं। कार्मिक अपनी कार्यालयीय एवं निजी समस्याएं सीधे राज्यपाल के समक्ष रख सकते हैं। राजभवन के कार्मिकों एवं परिजनों की सहूलियत के लिए राजभवन में फैमिली वेलफेयर सेन्टर, कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेन्टर, बालिकाओं और महिलाओं को सेल्फ डिफेन्स की ट्रेनिंग और 75 फलों के पेड़ रोपित किये जाने के हेतु लक्ष्य तय किये। इस अवसर पर फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर भी उपस्थित थी। राज्यपाल महोदय ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएँ दी।

राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित राजभवन के अधिकारी एवं कार्मिक तथा परिजन

राज्यपाल महोदय पिथौरागढ़ के अंतिम गांव गुंजी पहुंचे, बीआरओ, सेना तथा एसएसबी के जवानों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) नववर्ष के अवसर पर जनपद पिथौरागढ़ में भारत-नेपाल-चीन की सीमा पर अंतिम गांव गुंजी पहुंचे। राज्यपाल महोदय यहां पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), सेना तथा एसएसबी के जवानों से मिले तथा उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल महोदय ने जवानों की कुशलक्षेम पूछी तथा उनका हौसला बढ़ाया। राज्यपाल ने जवानों से कहा कि आप हैं तो देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि सड़क सीमा संगठन के जवानों द्वारा ऐसी विषम परिस्थितियों तथा उच्च पर्वतीय स्थलों में सड़कों का निर्माण वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण कार्य

पिथौरागढ़ के सीमांत गांव गुंजी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल महोदय

है। सीमांत क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण से पलायन रुकेगा तथा रिवर्स पलायन को बढ़ावा मिलेगा। सीमांत क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण तथा स्थानीय आबादी का निवास सामरिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है। राज्यपाल महोदय ने जवानों से उनकी समस्याओं तथा चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की। जवानों ने गुंजी में एक विद्यालय आरंभ करवाने का अनुरोध राज्यपाल महोदय से किया। राज्यपाल महोदय ने जवानों को आश्वासन देते हुए कहा कि निश्चित ही जल्द गुंजी में एक विद्यालय खोला जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल ने 300 जवानों को जैकेट वितरित किये। इस अवसर पर राज्यपाल से गुंजी तथा नाबी गांव के लोग भी मिलने आये। राज्यपाल महोदय धारचूला में भी सेना के जवानों से मिले तथा उनकी कुशलक्षेम पूछी। धारचूला में स्थानीय लोगों ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से. नि.) को धारचूला आने का निमंत्रण दिया।

राज्यपाल महोदय तथा फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर ने आम की अरुणिमा किस्म के पौधे का रोपण किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) तथा फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर ने नववर्ष के अवसर पर राजभवन प्रांगण में 75 फलदार पौधों के रोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय एवं फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर ने आम की अरुणिमा किस्म के पौधे का रोपण करने के साथ ही आम की आम्रपाली, अंबिका, मल्लिका तथा बेर की एप्पल बेर, अमरूद की एल-49, सफेदा, ललित, नींबू की बारहमासी, कुंभकार, लीची की शाही, मौसमी अनार की कंधारी तथा भगवा किस्म के 75 पौधों का रोपण किया।

राज्यपाल महोदय ने पर्यावरण की शुचिता एवं वानिकी की महत्ता को उत्तराखण्ड के जन-जन तक पहुंचने के उद्देश्य से राजभवन के प्रांगण से फलदार पौधों को रोपित कर यह संदेश दिया है। अपने संदेश में राज्यपाल

महोदय ने कहा कि पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। यह अमृत महोत्सव देश की स्वतंत्रता की ऊर्जा का अमृत है। यह अवसर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आदर्शों, सपनों और प्रेरणा को जन-जन तक पहुंचाने का अमृत महोत्सव है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर राज्यपाल महोदय के संकल्प को अगले ही दिन नववर्ष के शुभ अवसर पर 75 फलदार पौधे उत्तराखण्ड को प्रगति, विकास एवं समृद्धि की प्रेरणा देंगे। राजभवन में यह शुभारंभ नववर्ष के अवसर पर नए विचारों का अमृत है। यह नए लक्ष्यों को पूरा करने का संकल्प है। यह देश और उत्तराखण्ड राज्य में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का अमृत महोत्सव है। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने सभी प्रदेशवासियों को तथा राजभवन के सभी अधिकारियों तथा कार्मिकों को नव वर्ष की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार उद्यान विभाग द्वारा फरवरी माह में आम की एक नई प्रजाति का पौधारोपण भी किया जाएगा। इस प्रजाति के एक वृक्ष पर ही आम की 100 से अधिक वैरायटी लगेंगी। इस वृक्ष की प्रत्येक शाखा पर अलग-अलग प्रजाति के आम लगेंगे। कार्यक्रम में सचिव श्री राज्यपाल डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे।

नववर्ष के अवसर पर राजभवन में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से भेंट कर नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी

नववर्ष के अवसर पर राजभवन में उत्तराखण्ड आई.ए.एस एसोसिएशन ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से भेंट की तथा नव वर्ष की शुभकामनाएं दी राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने भी अधिकारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

उत्तराखण्ड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक श्री एम.पी.एस बिष्ट से हुई मुलाकात में राज्यपाल महोदय ने कहा - स्पेस टेक्नोलॉजी का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति के द्वार तक पहुंचे

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से राजभवन में उत्तराखण्ड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक श्री एम.पी.एस. बिष्ट ने मुलाकात की।

यूसेक (यूएसएसी) के निदेशक श्री एम.पी.एस. बिष्ट ने राज्यपाल को यूसेक द्वारा स्पेस टेक्नोलॉजी के माध्यम से प्रदेश वासियों के जीवन में गुणवत्ता सुधारने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। श्री बिष्ट ने बताया कि उत्तराखण्ड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर निरंतर ऐसे टेक्नोलॉजी, उपकरण तथा पद्धतियां विकसित करने हेतु प्रयासरत है जिनके माध्यम से राज्य को बेहतर सेवाएं मिल सकें। यूसेक को निर्देश देते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, स्पेस टेक्नोलॉजी का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति के द्वार तक पहुंचाने हेतु प्रयास करे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि टेक्नोलॉजी के प्रसार के दौरान ध्यान रखना होगा कि हमारे समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का नाजुक ताना-बाना नष्ट न हो। यह भी प्रयास करना होगा कि भूमि, जल, वन, खनिज तथा वन्य जीव जैसे अमूल्य प्राकृतिक संसाधन भावी पीढ़ियों के लाभ के लिए संरक्षित, सुरक्षित तथा उन्नत किए जाएं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि पर्यावरण तथा क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से लड़ने में भी यूसेक का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। यूसेक को जलवायु परिवर्तन के परिणामों को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु स्पेस टेक्नोलॉजी के शोध पर विशेष फोकस करना चाहिए।

कुलपतियों के साथ बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा – रोडमैप तैयार कर चुनौतियों के समाधान के लिए कार्य करें विश्वविद्यालय

कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से उनकी चुनौतियां एवं भविष्य के रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा सेंटर ऑफ साल्यूशन की भूमिका में आयें। उन्होंने विश्वविद्यालयों को राज्य की समस्याओं के आउट आफ बॉक्स समाधान पर कार्य करने को कहा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालय सोच, विचार और ज्ञान के योद्धा हैं। विश्वविद्यालय विचार क्रांति के केंद्र हैं। भारत को नॉलेज सुपर पावर बनाने में विश्वविद्यालयों की अग्रणी भूमिका है। राज्य विश्वविद्यालयों को जवाबदेही से कार्य करना है। विश्वविद्यालय जनहित के लिए कार्य करें। उत्तराखण्ड के किसानों की आय बढ़ाने, महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त करने, ट्रांसफॉरमेशन, समाज में मौलिक परिवर्तन, महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना सभी विश्वविद्यालयों को एकजुट होकर करना है। हमें उत्तराखण्ड को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर लाना है।

राज्यपाल महोदय ने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार को निर्देश दिए कि राज्य के 13 जनपदों में 13 ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित करें, जिन्होंने कृषि एवं औद्यानिकी के क्षेत्र में स्व प्रयासों से उत्कृष्ट कार्य किया हो। इन 13 उत्कृष्ट कृषकों एवं बागवानों को आगामी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल राजभवन में पुरस्कृत करेंगे। राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 11 गांवों में ड्रग्स के विरुद्ध युवाओं को जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जाए तथा नशा मुक्ति के संबंध में राज्य विश्वविद्यालयों की भूमिका पर एक कार्ययोजना तैयार की जाए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए कि राज्य के 10 पर्वतीय जनपदों में महिला स्वयं सहायता समूहों की आय को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय स्किल अपग्रेडेशन एवं महिलाओं में नेतृत्व क्षमता विकास हेतु शोध एवं अध्ययन के माध्यम से योगदान दें। राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालयों को डिग्रियों को और अधिक रोजगारपरक बनाने तथा युवाओं में स्वरोजगार की प्रेरणा जगाने के लिए कार्य करने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं को वोकेशनल एजुकेशन के प्रति जागरूक करना होगा। राज्यपाल ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय तथा उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय से कहा कि योग, आयुर्वेद एवं संस्कृत उत्तराखण्ड की सबसे बड़ी शक्ति है। संस्कृत शिक्षा तथा आयुर्वेद से जुड़े विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद और संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गंभीरता से कार्य करें।

बैठक के दौरान विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति की मजबूती, प्रशासनिक ढांचे की सततता तथा कोविड-19 के दौरान परीक्षाओं के आयोजन से संबंधित चुनौतियों के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में एचएनबी मेडिकल एजुकेशन युनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. हेम चंद्र पांडे, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी, भरसार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति श्री ओ.पी. नेगी, दून विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल सहित समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

राजभवन में कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में वाइस एडमिरल ए.के. चावला (सेवानिवृत्त) ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में भारतीय वन सेवा अधिकारियों ने राज्यपाल महोदय से भेंट की

राजभवन में उत्तराखण्ड के भारतीय वन सेवा के अधिकारियों ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि वन संपदा का लाभ स्थानीय लोगों विशेषकर ग्रामीणों को मिलना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जंगलों में आग की समस्या के संबंध में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का सेमिनार आयोजित किया जाना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, चीन जैसे देशों से वनाग्नि को रोकने एवं इसके नियंत्रण के संबंध में अनुभव एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज सांझा की जानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि वनाग्नि रोकने में स्थानीय लोगों को जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष के स्थान पर मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के लिए वातावरण विकसित किया जाना चाहिए। वन उत्पादों, जड़ी बूटियों, औषधीय पौधों तथा विभिन्न वन संपत्तियों पर शोध तथा अध्ययन किया जाना चाहिए। स्थानीय एवं ग्रामीण लोगों की प्रगति में वन उत्पाद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वन उत्पादों का लाभ वनों तथा इसके आसपास रहने वाले लोगों को मिलना चाहिए। उत्तराखण्ड वन संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है। उत्तराखण्ड के वनों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां, औषधीय पौधे स्थानीय लोगों के आर्थिक सशक्तीकरण तथा रिवर्स पलायन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वन सेवा के अधिकारी तथा कार्मिक फॉरेस्ट वॉरियर है। वनों को सुरक्षित रखते हुए इनके माध्यम से कैसे स्थानीय लोगों का आर्थिक सशक्तिकरण हो, इसके लिए वन अधिकारियों को आउट ऑफ बॉक्स आइडियाज के साथ कार्य करना होगा।

राजभवन में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों ने राज्यपाल महोदय से भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं

राज्यपाल महोदय ने कहा – रेडक्रॉस के साथ अधिक से अधिक लोग जुड़ें

राजभवन में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी उत्तराखण्ड के महासचिव डॉ. एम. एस. अंसारी तथा अन्य सदस्यों ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से मुलाकात की।

इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के साथ उत्तराखण्ड राज्य में रेडक्रॉस की स्थिती तथा इसे मजबूत बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि रेडक्रॉस के वॉलंटियर्स की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। रेडक्रॉस के साथ अधिक से अधिक लोग जुड़ें। विशेषकर कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र- छात्राएं इसके सदस्य बने। राज्य के सभी जिलों में जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के गठन पर जोर दिया जाना चाहिए जिससे छात्र-छात्राओं के मन में बचपन से ही जरूरतमंदों की सहायता करने तथा सेवा की भावना से कार्य करने की ललक पैदा हो सके। रेडक्रॉस तथा आपदा प्रबंधन विभाग मिलकर राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों, कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को फर्स्ट एड, डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग तथा रोड सेफ्टी आदि का प्रशिक्षण दें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि रेडक्रॉस का गठन मानवता की सेवा के लिए ही हुआ है। रेडक्रॉस शब्द से ही मन में सेवा की भावना का भाव आता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कोविड के नए वेरिएंट ओमीक्रोम के संक्रमण की संभावनाओं को देखते हुए आमजन में कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के प्रति जागरूकता लानी जरूरी है। रेडक्रॉस के सभी स्वयंसेवकों को नई ऊर्जा और संकल्प के साथ ओमीक्रोम की इस चुनौती का सामना करना है।

राज्यपाल महोदय ने राज्य मुख्य सूचना आयुक्त तथा राज्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलवाई

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में श्री अनिल चंद्र पुनेठा को राज्य मुख्य सूचना आयुक्त तथा श्री विवेक शर्मा को राज्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलाई तथा दोनों नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को अपने नये पद पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी सहित भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण करते नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त
श्री अनिल चंद्र पुनेठा और सूचना आयुक्त श्री विवेक शर्मा

राज्यपाल महोदय से राजभवन में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों ने मुलाकात की

राजभवन में राजस्व सेवा के अधिकारियों के एक समूह ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से मुलाकात की। इस मुलाकात में राज्यपाल महोदय ने अधिकारियों से कहा कि लोगों में टैक्स भुगतान के प्रति नागरिक जिम्मेदारी के भाव विकसित किये जाने चाहिए। हर नागरिक को वित्तीय रूप से साक्षर किया जाना चाहिए। देश के विकास के लिए नागरिकों में फाइनेंशियल लिटरेसी बहुत जरूरी है। अर्थव्यवस्था को राष्ट्र भावना को साथ संचालित किया जाना चाहिए। आमजन में अर्थव्यवस्था की समझ पैदा होनी चाहिए। स्वदेशी, स्थानीय एवं ग्रामीण उत्पादों व शिल्पो के बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उत्तराखण्ड में पर्वतीय क्षेत्रों में माइक्रो फाइनेंसिंग के प्रति जागरूकता लाई जानी चाहिए। लोगों में मॉस इकोनॉमी, पैट्रियोटिक इकोनॉमी तथा पॉलीटिकल इकोनॉमी की समझ विकसित होनी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने अधिकारियों से कहा कि उत्तराखण्ड में उन्हें यहां की पर्वतीय महिलाओं के आत्मविश्वास और जीवटता ने सबसे अधिक प्रभावित किया है। उत्तराखण्ड की महिलाओं की विश्वसनीयता और काबिलियत उच्च श्रेणी की है। उन्हें स्वरोजगार हेतु अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में महिलाओं, बालिकाओं तथा युवाओं को माइक्रो फाइनेंसिंग में साक्षर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना होगा। महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण ही उनका वास्तविक सशक्तिकरण है। उत्तराखण्ड में क्रांति सिर्फ महिलाओं के द्वारा ही संभव है। माननीय राज्यपाल ने आईआरएस अधिकारियों से कहा कि शीघ्र ही राजभवन में "माइक्रो फाइनेंसिंग के माध्यम से राज्य में महिला सशक्तिकरण" विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा। इस सेमिनार में स्वयं सहायता समूहो से जुड़ी महिलाएं, स्वरोजगार की इच्छुक महिलाएं, विभिन्न ऋण प्रदाता संस्थाएं, बैंक, मास्टर ट्रेनर तथा संबंधित विभाग प्रतिभाग करेंगे। माइक्रो फाइनेंसिंग योजनाएं, स्वयं सहायता समूह तथा डायरेक्ट टू बैंक वरदान है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट करते हुए

राजभवन में राज्य मुख्य सूचना आयुक्त श्री अनिल चंद्र पुनेठा ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के राजभवन उत्तराखण्ड आगमन पर
राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) उनका स्वागत तथा शिष्टाचार भेंट करते हुए

"वीर बाल दिवस" साहिबजादों की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि

राजभवन में सिक्ख प्रतिनिधियों के साथ राज्यपाल महोदय की मुलाकात

राजभवन देहरादून में विभिन्न सिक्ख प्रतिनिधियों ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से मिलकर प्रधानमंत्री जी द्वारा "वीर बाल दिवस" मनाए जाने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। गुरुद्वारा रेसकोर्स के अध्यक्ष श्री बलबीर सिंह, गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा आढ़त बाजार के अध्यक्ष श्री गुरबख्श सिंह तथा सिक्ख महिला प्रतिनिधि डॉ. तनवीर कौर सेठी ने राज्यपाल महोदय से मिलकर प्रधानमंत्री जी के वीर बाल दिवस मनाए जाने के निर्णय हेतु आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि वीर बाल दिवस साहिबजादो की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि है। यह ऐतिहासिक निर्णय है। यह सिख

समुदाय के साथ ही समस्त भारतीयों के लिए भावनात्मक क्षण है। वीर बाल दिवस के द्वारा देश और दुनिया के बच्चे बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह, बाबा अजीत सिंह तथा बाबा जुझार सिंह के बारे में जान पाएंगे तथा उनकी शहादत, वीरता और शौर्य से प्रेरणा ले सकेंगे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार द्वारा राष्ट्र, धर्म और सत्य की रक्षा के लिए किए गए बलिदान जैसे उदाहरण देश और दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं मिलते हैं। उनकी शौर्य गाथा आने वाली अनेक शताब्दियों तक पीढ़ियों को मार्ग दिखाती रहेगी। वे युवाओं को सदैव मां भारती की सेवा, समर्पण और त्याग के लिए प्रेरित करते रहेंगे। जब भी युवाओं को एक नए उत्साह, नई ऊर्जा और नई रोशनी की जरूरत पड़ेगी तो यह बलिदान की गाथाएं उनका मार्गदर्शन करती रहेंगी।

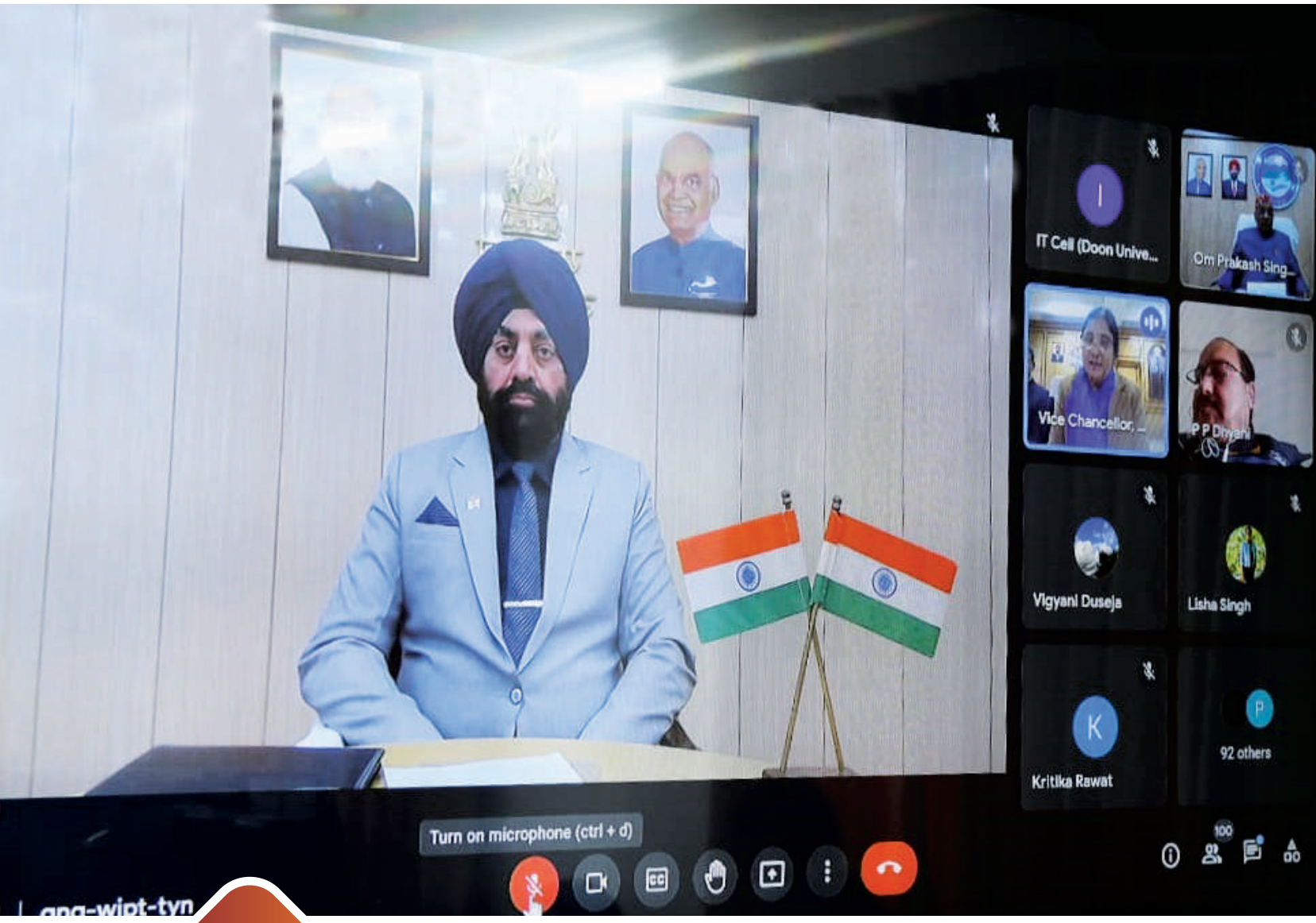

'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर युवाओं से राज्यपाल महोदय ने संवाद किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर राजभवन से उत्तराखण्ड के युवाओं के साथ वर्चुअल माध्यम से सीधा संवाद किया। यह संवाद कार्यक्रम दून विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। राज्यपाल महोदय ने युवाओं से उनके कैरियर, आकांक्षाओं, भविष्य की योजनाओं, उत्तराखण्ड के विकास के सम्बन्ध में उनके विज़न तथा राष्ट्र निर्माण के बारे में युवाओं के विचारों के बारे में चर्चा की। छात्र-छात्राओं ने राज्यपाल महोदय से विभिन्न मुद्दों पर बेबाक प्रश्न किए। राज्यपाल महोदय ने राज्य के प्रतिभावान युवाओं के विचारों के गंभीरतापूर्वक सुना और उनकी प्रशंसा की।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं से कहा हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि

दून विश्वविद्यालय में कैमेस्ट्री की छात्रा हंसिका पराशर ने राज्यपाल से पूछा कि विद्यार्थियों के रूप में युवा राष्ट्र निर्माण में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं? इसके जवाब में राज्यपाल महोदय ने कहा कि यदि छात्र स्कूली जीवन से ही राष्ट्र निर्माण व समाज की भलाई के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं तो यह स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है। प्रत्येक युवा का कर्तव्य है कि राष्ट्र विकास एवं कल्याण के बारे में विचार करें। हमारे युवा बिल्कुल सही दिशा में जा रहे हैं। युवाओं को हमेशा राष्ट्र सर्वोपरि के मंत्र पर चलना चाहिए। मैं स्वयं जीवनभर इसी रास्ते पर चला। स्वामी विवेकानन्द जी भी राष्ट्र सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म मानते थे। युवाओं को धर्म, जाति, भाषा, प्रान्त जैसी संकीर्ण मानसिकताओं को समाप्त करके राष्ट्र सर्वोपरि के जुनून और जज्बे को कायम रखना है। यह कार्य सिर्फ और सिर्फ युवा ही कर सकते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा - युवा सेल्फ वर्थ को पहचानें और खुद पर भरोसा रखें

मनोविज्ञान की छात्रा विज्ञानी ने राज्यपाल महोदय से प्रश्न किया कि आज के अधिकांश भारतीय युवा विदेशों में क्यों बसना और नौकरी करना चाहते हैं? इस पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमें अपने देश और राज्य में ऐसा माहौल बनाना होगा कि अधिकांश युवा देश और अपने राज्य में ही रहे। विदेशों जैसी नौकरियां और सुविधाएं यहां विकसित करनी होंगी। उत्तराखण्ड में रिवर्स माइग्रेशन हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। विडम्बना है कि आज जब भारत के प्रतिभावान नौजवान विदेशों में नाम कमाते हैं तो तब हमें अहसास होता है कि हमारे युवा कितने प्रतिभावान हैं। जबकि आज पूरी दुनिया का भारतीयों के प्रति नजरिया बदल चुका है। दुनिया मानती है कि भारत और भारतीयों में विशेषकर युवाओं में असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा - 'घराट, होम स्टे, सोलर एनर्जी, हॉर्टीकल्चर, टूरिज्म रिवर्स माइग्रेशन के हथियार

छात्रा विपाशा ने राज्यपाल महोदय से सवाल किया कि राज्य के उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ और चमोली जैसे सीमान्त जिलों से पलायन किस प्रकार रोका जा सकता है। इस प्रश्न के उत्तर में राज्यपाल महोदय ने कहा कि सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण राज्य के सीमान्त जिलों में सड़क कनेक्टिविटी, पर्यटन विकास, होम स्टे, घराट, सोलर एनर्जी, हॉर्टीकल्चर आदि गेम चेंजर साबित होंगे। लेकिन रिवर्स माइग्रेशन के प्रयासों में स्थानीय भागीदारी विशेषकर युवाओं की भागीदारी अत्यन्त महत्वपूर्ण होगी। कोरोना ने हमें घर-गांवों में रहना सिखाया है।

माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा - भारतीयता ही हमारा डीएनए

स्कूल ऑफ डिजाइन के छात्र संकल्प ने प्रश्न किया कि युवाओं को प्रगति करने के लिए राज्य में मूल सुविधाओं की कमी का कैसे समाधान किया जाए। इस पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि भौतिक सुविधाओं की एवं विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उत्तराखण्डवासियों ने अपने परिश्रम, लगन और प्रतिभा से देश और दुनिया में प्रत्येक क्षेत्र में वर्चस्व कायम किया है। यहां का मानव संसाधन, सोच विचार और क्षमताएं उच्च श्रेणी की हैं। भारत एक युवा देश है। युवा इस महान राष्ट्र की शक्ति, वर्तमान और भविष्य है। भारत को विश्व गुरु बनाने के मिशन में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका होगी। हमें ध्यान रखना है कि हमें विश्व का सबसे विकसित, प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र बनना है, लेकिन इस दौड़ में हमें अपनी भारतीयता को नहीं खोना है। भारत की प्राचीन संस्कृति, परम्पराओं, सोच-विचार को संजो कर रखना है तथा पूरी दुनिया के सामने लाना है। हमारी भारतीयता ही हमारा डीएनए है। मानवता, दया, प्रकृति की पूजा, आध्यात्मिकता जैसे गुण हम भारतीयों को विरासत में मिले हैं। भारतीय होना ही हमें पूरी दुनिया में सबसे अलग और श्रेष्ठ बनाता है। भारतीयों को समरसता के मार्ग पर चलकर देश की प्रगति में योगदान देना है।

राज्यपाल महोदय ने कहा - स्वामी विवेकानंद युवाओं के मार्गदर्शक

युवा दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि देते हुऐ कहा कि आज हम भारत ही नहीं दुनिया के इतिहास के एक ऐसे महानायक, एक महान संन्यासी, हर युग में युवाओं के आदर्श और प्रेरणास्रोत, ज्ञान के योद्धा, धर्म के महान ज्ञाता की जयंती मना रहे हैं, जिनके व्यक्तित्व के आकर्षण से कोई नहीं बच पाया। उनकी शख्सियत हमें आज तक सम्मोहित कर रही है। वह आज भी करोड़ों युवाओं के नायक हैं। मुझे स्वामी विवेकानंद जी का जरूरतमंदों की सेवा और परोपकार का सिद्धांत बेहद आकर्षित करता है, क्योंकि सिक्ख परम्परा में भी सेवा, दया, मानवता और परोपकार को सबसे उच्च स्थान दिया गया है। स्वामी विवेकानंद जी भारत के जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहते थे। उन्होंने मानव सेवा को ही सच्चा धर्म माना। आज के नौजवानों को भी अपने हर कार्य में सेवा और मानवता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में दून विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल सहित विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, पदाधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

राज्यपाल महोदय ने लोहड़ी पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं प्रगति की कामना की

राजभवन, उत्तराखण्ड में इस वर्ष लोहड़ी की धूम रही। राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) एवं फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर ने राजभवन देहरादून के आंगन में लोहड़ी उत्सव आयोजित किया। ऋतु परिवर्तन एवं खुशहाली के पर्व लोहड़ी में राजभवन से जुड़े अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया। सभी को गुड़, मूंगफली खाने को दी गई। लोहड़ी उत्सव मनाते हुए राज्यपाल महोदय एवं श्रीमती गुरमीत कौर की ओर से उत्तराखंड की समृद्धि की कामना के साथ जलती अग्नि के चारों ओर घेरे बनाकर परिक्रमा की गई। कार्यक्रम के जरिए समाज के सभी वर्गों को एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया।

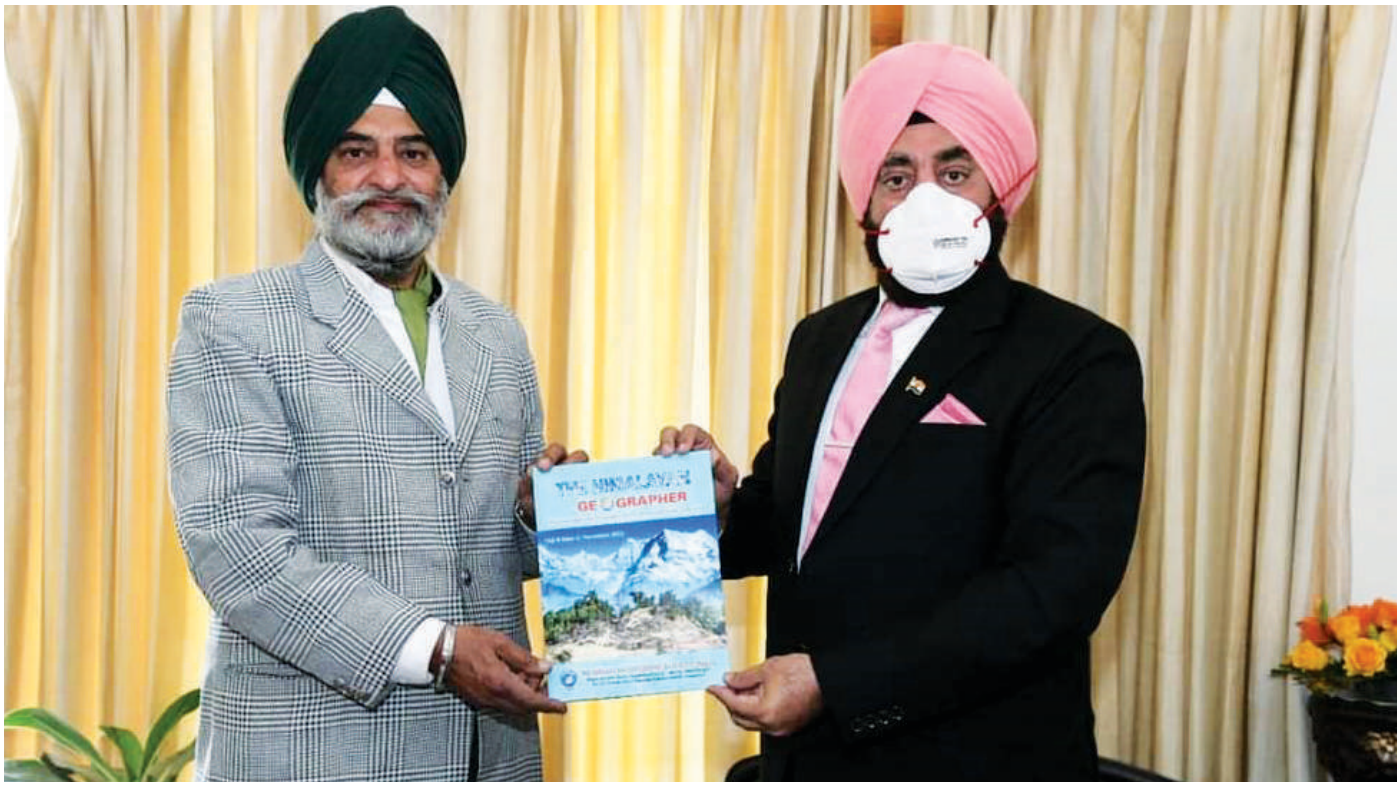

राजभवन देहरादून में हिमालयन ज्योग्राफिकल सोसाइटी के डॉ. एस.एस. खैरा ने राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन देहरादून में स्वास्थ्य सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडे ने राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट की

राज्यपाल महोदय ने महिला सशक्तीकरण पर लिखी गई पुस्तक "पावर वुमेन" का विमोचन किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में लेखिका श्रीमती वीनू ढींगरा द्वारा महिला सशक्तीकरण पर लिखी गई पुस्तक "पावर वुमेन" का विमोचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि जल्द ही राजभवन के सौजन्य से उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं के संघर्षमय जीवन एवं सफलताओं पर एक पुस्तक प्रकाशित किए जाने की योजना है। महिला सशक्तीकरण पर इस वर्ष चार सेमिनार किए जाएंगे। यह महिला सशक्तीकरण सम्मेलन राज्य की महिलाओं विशेषकर पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के सशक्तीकरण, राज्य में महिलाओं की समस्याओं एवं चुनौतियों, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, बालिका शिक्षा, सेना व अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं में राज्य की महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने जैसे विभिन्न मुद्दों पर केंद्रित होंगे। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में महिलाएं ही बदलाव की शक्ति हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में महिलाएं कठोर परिश्रम, लगन और उद्यमशीलता की भावना के साथ सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के माध्यम से क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाएं विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिख रही हैं। महिलाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों एवं शिल्पों के संरक्षण के साथ ही ग्रामीण आर्थिकी की मजबूती के लिए भी कार्य किया जा रहा है। यह अत्यंत सराहनीय है।

राजभवन में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधू ने राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में सामाजिक कार्यकर्ता तथा एसडीसी फाउंडेशन के संस्थापक श्री अनूप नौटियाल ने राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में कोविड काल मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मी सम्मानित

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कोविड काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को राजभवन में सम्मानित किया। कोविन पोर्टल के उत्कृष्ट संचालन हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कालसी से वेरीफायर श्री सुशील बिजल्वाण को पीएचसी रायपुर में कोविन पोर्टल के उत्कृष्ट संचालन हेतु वेरीफायर श्री अनुराग उनियाल, डोईवाला पीएचसी के वैक्सीन परिवहन दल से श्री प्यार सिंह तथा विकासनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से कोविड-19 सेंपलिंग एवं वैक्सीनेशन हेतु श्री आलम इफ्तिखार को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने अपील की है कि समस्त प्रदेशवासी वैक्सीनेशन अवश्य करवाएं। हमें सभी लोगों को इस संबंध में जागरूक करना है। हमें ध्यान रखना है कि कोई भी व्यक्ति बिना टीकाकरण के न रहे। वैक्सीनेशन ही वह रक्षा कवच है जो हमें इस शत्रु से बचाएगा। इस

अवसर पर राज्यपाल महोदय ने टीकाकरण अभियान संचालित करने वाले सभी फ्रंटलाइन वर्कर्स एवं हेल्थ वर्कर्स का आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हेल्थ वॉरियर्स महामारी कोविड-19 के विरुद्ध युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे हैं। कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में प्रत्येक हेल्थ वर्कर, फ्रंटलाइन वर्कर, पुलिसकर्मी, मीडिया कर्मी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हेल्थ वॉरियर्स ने कोविड काल में अत्यंत त्याग एवं समर्पण का परिचय दिया। हम सभी हेल्थ वॉरियर्स के ऋणी हैं। राज्यपाल महोदय ने सभी जिलाधिकारियों से कहा कि राज्य के शीघ्रता पूर्वक समस्त जनपदों में कोविड वैक्सीनेशन की दूसरी डोज का सौ फ़ीसदी का लक्ष्य भी प्राप्त कर लिया जाए।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि उत्तराखण्ड में 16 जनवरी 2021 से कोविड-19 वैक्सीनेशन प्रोग्राम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। राज्य में 18 वर्ष से अधिक आयु की शत प्रतिशत आबादी को कोविड-19 वैक्सीनेशन की पहली डोज 17 अक्टूबर 2021 को प्राप्त हो चुकी है। राज्य में प्रत्येक दिन 800 से 1000 वैक्सीनेशन सेशन संचालित किए जा रहे हैं। राज्य में अभी तक कुल 15298825 डोज दी जा चुकी हैं। राज्य में 15 वर्ष से अधिक आयु की आबादी को 8378751 (98.07%) पहली डोज दी जा चुकी है। राज्य में 15 वर्ष से अधिक आयु की आबादी को 6796276 (81.1) दूसरी डोज दी जा चुकी है। राज्य में हेल्थ केयर वर्कर्स, फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 123798 (22.50%) प्रीकॉशन डोज दी जा चुकी है। राज्य में 15 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों को 370174 (58.9%) पहली डोज दी जा चुकी है। इस अवसर पर राज्यवासियों को प्रेरित करते हुए राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) तथा फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर ने राजभवन में कोविड-19 टीके की प्रिकॉशन डोज लगवाई।

मतदाता निर्भीकता से अपने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करें – राज्यपाल

उत्तराखण्ड के राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने प्रदेशवासियों को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। अपने संदेश में राज्यपाल महोदय ने कहा कि देश की प्रगति के लिए सुदृढ़ लोकतंत्र आवश्यक है और लोकतंत्र की सुदृढ़ता का आधार मतदाता है। मतदाता अपने विवेक के आधार पर निर्भीकता से अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र की सुदृढ़ता में अपना अमूल्य सक्रिय योगदान दें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि लोकतंत्र का यह उत्सव संविधान द्वारा प्रदान की गई लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जन आस्था का प्रतीक है जो प्रत्येक मतदाता को एक निष्पक्ष व प्रगतिशील सरकार के चयन का अधिकार देता है। मतदाताओं का भी उत्तरदायित्व है कि वे लोकतंत्र की प्रतिष्ठा एवं मर्यादाओं की रक्षा के लिए जाति, धर्म, भाषा, समुदाय अथवा अन्य किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निर्भयता से अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि मतदान अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य भी है। मतदान सबसे बड़ा दान है। मतदान करके लोग निर्वाचन प्रक्रिया में अपनी भागीदारी करते हैं। मतदान से देश का लोकतंत्र और अधिक शक्ति सम्पन्न होता है। सभी जागरूक नागरिकों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे प्रत्येक वर्ष मतदाता सूची को सही और अपडेट रखने में निर्वाचन आयोग को अपना सहयोग दे।

राज्यपाल महोदय ने उत्तराखण्ड में शान्तिपूर्ण, स्वतंत्र व निष्पक्ष तरीके से अब तक के हुए सभी निर्वाचनों के सम्पादन तथा निरन्तर बढ़ते मतदान प्रतिशत का श्रेय यहाँ के जागरूक नागरिकों को देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के बाद उत्तराखण्ड में शांतिपूर्ण व सौहार्द्रपूर्ण तरीके से सभी चुनाव सम्पन्न हुए हैं। इसके लिए देवभूमि की जनता व यहां की प्रशासनिक मशीनरी बधाई की पात्र हैं। यहां पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाताओं का अधिक प्रतिशत रहा है। यह राज्य की प्रगतिशीलता को बताता है। राज्य के युवाओं को विश्व के सबसे बड़े व सफल लोकतांत्रिक देश का नागरिक होने पर गर्व करना चाहिए। भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है क्योंकि युवा प्रगति कर रहा है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद हमारी निर्वाचन प्रणाली निरन्तर परिपक्व हो रही है। भारतीय निर्वाचन प्रणाली निष्पक्ष प्रणाली है। अपनी आधुनिकता व सरल व्यवस्थाओं की विशेषता के आधार पर ही भारत निर्वाचन आयोग आज समस्त विश्व के लिए आदर्श बन चुका है।

राज्यपाल महोदय ने सभी मतदाताओं से अपील की कि आगामी 14 फरवरी को होने जा रहे राज्य के विधानसभा चुनाव को भी शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने और अपने मताधिकार का प्रयोग शत्-प्रतिशत करने का संकल्प लें। राज्यपाल महोदय ने राज्य में अब तक हुए निर्वाचनों तथा इस वर्ष विधानसभा निर्वाचन हेतु राज्य निर्वाचन विभाग की व्यवस्थाओं की सराहना की।

मतदाता होने पर गर्व महसूस करें युवा – राज्यपाल

राजभवन में मतदाता जागरूक अभियान के तहत राजभवन में राज्यपाल ले. ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रथम बार मतदाता के रूप में पंजीकृत 18 वर्ष के 10 युवा मतदाताओं को उनके मतदाता पहचान पत्र प्रदान किये। राज्यपाल ने इन युवा मतदाताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को राज्यपाल द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा नियत प्रतिज्ञा दिलाई गई एवं निर्वाचन आयोग के कैलेण्डर का विमोचन भी किया। इसके साथ ही राज्यपाल ने मतदाता जागरूकता पर बनी वीडियो फिल्म का भी अवलोकन किया। लोकतंत्र के महापर्व में पहली बार हिस्सा लेने जा रहे युवा मतदाताओं को राज्यपाल महोदय ने बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आप में नया उत्साह एवं ऊर्जा है। आप पहली बार मतदान में हिस्सा लेने जा रहे हैं। मतदान में मत अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मजबूत लोकतंत्र के लिए युवा मतदाताओं की भूमिका अहम है। युवाओं को मतदाता होने पर गर्व महसूस करना चाहिए। हमारे संविधान में सभी नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता व समानता का बिना किसी भेदभाव के समान रूप से अधिकार प्रदान किया गया है। इन सभी अधिकारों का आधार वोट देने का अधिकार है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सौजन्या सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।